



ACTIVITY TITLE: AWARENESS PROGRAM UNDER RESEARCH PROJECT

Date: 26 April 2025

Organized by: Department of Political Science & Department of Economics.

Title of Program: Millets for Increasing Farmers Income and Sustainable Livelihood.

Place: Jaunpur: Kyari, Thauldhar: Kyarda, Pokhari, Gairnagun.

Nature of Participants: Farmers.

Number of Participants: 120.

Sponsored By: Chief Minister Higher Education Research Promotion Scheme.

Resource Person: Mr. Sandeep Kudwan, Gram Vikas Adhikari, Contact No 7983826201.

Write one paragraph about the activity

A public awareness program was conducted for the production of coarse grains in Tholdhar block of Tehri Garhwal under the research project run under the Chief Minister Higher Education Research Promotion Scheme at Government College Nainbagh. A public awareness program related to coarse grains was conducted under the research project in Kyarda, Pokhari and Gairangun Gram Sabha under Tholdhar block. With the cooperation of the Village Development Officer of the area, Mr. Sandeep Kudwan and the village head, the Principal Investigator of the research project, Dr. Madhu Bala Juwantha and Co-Investigator Parmanand Chauhan, along with all the farmers of the village, conducted a program to create awareness among the people about coarse grains under the research project.

The farmers said that they mainly grow Kodo and Jhangora crops, but due to lack of irrigation facilities, there is a problem in its cultivation and the yield is low. If irrigation facilities are provided, the production of coarse grains will increase. The farmers said that the second main problem in the cultivation of coarse grains is the damage caused by wild animals and stray animals. These animals cause severe damage to the cultivation of coarse grains and this is the problem of all the farmers of the village. The farmers said that they are interested in the production of coarse grain crops, this not only fulfils their food requirement but also becomes a source of income. Farmers, Gram Pradhan and women from various villages were present in the program.

Photos (Geo tagged)

NEWS/Link /Phots



Government Degree College Nainbagh
N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand
(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)
Website: <http://gdcnainbagh.in> Email: principalgdcnainbagh2001@gmail.com





Government Degree College Nainbagh
N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand
 (Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)
 Website: <http://gdcnainbagh.in> Email: principalgdcnainbagh2001@gmail.com



8:03 97%

समाचार

महाविद्यालय नैनबाग: थौलधर ब्लॉक में “मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना” के तहत किसानों को मोटे अनाजों के प्रति किया गया जागरूक

संजीव शर्मा April 26, 2025



Pokhari, Uttarakhand, India
 Pokhari, Uttarakhand 249186, India
 Lat 30.51084° Long 76.316072°
 Website: <http://gdcnainbagh.in>

Dadoli, Uttarakhand, India

नवल टाइम्स न्यूज़, ब्यूरो: राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संचालित शोध परियोजना के तहत टिहरी गढ़वाल के थौलधर ब्लॉक में मोटे अनाज के उत्पादन हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

थौलधर ब्लॉक के अंतर्गत क्यार्दा, पोखरी एवं गैरनगुण ग्रामसभा में शोध परियोजना के अंतर्गत मोटे अनाजों से संबंधित जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। क्षेत्र के ग्राम विकास अधिकारी श्री संदीप कुमार एवं ग्राम प्रधान के सहयोग से गांव के सभी किसानों के साथ मिलकर शोध परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ० मधु बाला जुवाँठा एवं सह अन्वेषक परमानंद चौहान ने रिसर्च प्रोजेक्ट परियोजना के तहत मोटे अनाजों के प्रति लोगों में जागरूकता हेतु कार्यक्रम किया।

किसानों ने बताया कि उनके द्वारा कोदो एवं झंगोरा की फासले मुख्य रूप से उगाई जाती हैं लेकिन सिंचाई की सुविधा न होने के कारण इसकी खेती में समस्या आती है तथा पैदावार कम होती है। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ेगा। किसानों ने मोटे अनाज की खेती में दूसरी मुख्य समस्या जंगली जानवरों एवं आवारा पशुओं द्वारा पहुंच जाने वाले नुकसान को बताया। इन जानवरों द्वारा मोटे अनाजों की खेती को भयंकर रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है और यह समस्या सभी गांवों में देखी जाती है।

For Latest News Join Us At

8:03 97%

नवल टाइम्स न्यूज़, ब्यूरो: राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संचालित शोध परियोजना के तहत टिहरी गढ़वाल के थौलधर ब्लॉक में मोटे अनाज के उत्पादन हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

थौलधर ब्लॉक के अंतर्गत क्यार्दा, पोखरी एवं गैरनगुण ग्रामसभा में शोध परियोजना के अंतर्गत मोटे अनाजों से संबंधित जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। क्षेत्र के ग्राम विकास अधिकारी श्री संदीप कुमार एवं ग्राम प्रधान के सहयोग से गांव के सभी किसानों के साथ मिलकर शोध परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ० मधु बाला जुवाँठा एवं सह अन्वेषक परमानंद चौहान ने रिसर्च प्रोजेक्ट परियोजना के तहत मोटे अनाजों के प्रति लोगों में जागरूकता हेतु कार्यक्रम किया।

किसानों ने बताया कि उनके द्वारा कोदो एवं झंगोरा की फासले मुख्य रूप से उगाई जाती हैं लेकिन सिंचाई की सुविधा न होने के कारण इसकी खेती में समस्या आती है तथा पैदावार कम होती है। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ेगा। किसानों ने मोटे अनाज की खेती में दूसरी मुख्य समस्या जंगली जानवरों एवं आवारा पशुओं द्वारा पहुंच जाने वाले नुकसान को बताया। इन जानवरों द्वारा मोटे अनाजों की खेती को भयंकर रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है और यह समस्या सभी गांवों में देखी जाती है।

For Latest News Join Us At

8:04 97%

नावल टाइम्स न्यूज़, ब्यूरो: राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संचालित शोध परियोजना के तहत टिहरी गढ़वाल के थौलधर ब्लॉक में मोटे अनाज के उत्पादन हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

थौलधर ब्लॉक के अंतर्गत क्यार्दा, पोखरी एवं गैरनगुण ग्रामसभा में शोध परियोजना के अंतर्गत मोटे अनाजों से संबंधित जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। क्षेत्र के ग्राम विकास अधिकारी श्री संदीप कुमार एवं ग्राम प्रधान के सहयोग से गांव के सभी किसानों के साथ मिलकर शोध परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ० मधु बाला जुवाँठा एवं सह अन्वेषक परमानंद चौहान ने रिसर्च प्रोजेक्ट परियोजना के तहत मोटे अनाजों के प्रति लोगों में जागरूकता हेतु कार्यक्रम किया।

किसानों ने बताया कि उनके द्वारा कोदो एवं झंगोरा की फासले मुख्य रूप से उगाई जाती हैं लेकिन सिंचाई की सुविधा न होने के कारण इसकी खेती में समस्या आती है तथा पैदावार कम होती है। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ेगा। किसानों ने मोटे अनाज की खेती में दूसरी मुख्य समस्या जंगली जानवरों एवं आवारा पशुओं द्वारा पहुंच जाने वाले नुकसान को बताया। इन जानवरों द्वारा मोटे अनाजों की खेती को भयंकर रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है और यह समस्या सभी गांवों में देखी जाती है।

For Latest News Join Us At

News Link: 1. <https://navaltimes.in/महाविद्यालय-नैनबाग-थौलधर/>

Principal
Government Degree College
Nainbagh T.G.

Principal Investigator
Research Project